जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

11 मई 2023

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया में 'भाषा संगम: पहला नेशनल मल्टीलिंगुअल एलोक्युशन कम्पटीशन, 2023' का आयोजन

जामिया मिल्लिया इस्लामिया की फैकल्टी ऑफ लॉ की डिबेटिंग सोसाइटी 'इज़हार' ने "भाषा संगम: भाषा संगम: पहला नेशनल मल्टीलिंगुअल एलोक्युशन कम्पटीशन, 2023 का आयोजन किया, जिसमें देशभर के विभिन्न राज्यों के छात्रों ने भाग लिया। यह प्रतियोगिता 4 मई, 2023 को 12 भाषाओं यानी हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू, बंगाली, कश्मीरी, मलयालम, मराठी, तमिल, अंग्रेजी, भोजपुरी, पंजाबी और गुजराती में आयोजित की गई थी जिसमें प्रतिभागियों की शानदार प्रतिक्रिया रही। यह देश में पहली प्रतियोगिता थी जहां 12 अलग-अलग भाषाओं के प्रतिभागियों ने एक ही विषय पर और एक ही मंच पर प्रतिस्पर्धा की।

प्रतियोगिता दो राउंड में आयोजित की गई थी; प्रारंभिक और अंतिम दौर। प्रारंभिक दौर ऑनलाइन था जिसमें प्रतिभागियों को एक वीडियो भेजना आवश्यक था। प्रारंभिक दौर में देश के 100 से अधिक संस्थानों से 250 पंजीकरण प्राप्त हुए थे। स्क्रीनिंग राउंड के बाद शीर्ष 66 प्रतिभागियों ने 4 मई 2023 को आयोजित फाइनल के लिए क्वालीफाई किया।

जामिया तराना का गायन, जामिया की उत्कृष्टता के 100 साल पर वीडियो फिल्म की स्क्रीनिंग, पवित्र कुरान की आयतों का पाठ इस उद्घाटन समारोह का हिस्सा थे। जैसा कि कार्यक्रम का विषय भारत के G-20 प्रेसीडेंसी से जुड़ा था, उसी के महत्व को दर्शाने के लिए दो वीडियो चलाए गए, जिसमें G-20 लोगो के महत्व और इसके शाश्वत अर्थ को दर्शाया गया था कि G-20 केवल राजनयिकों और नौकरशाहों का नहीं है बल्कि प्रत्येक नागरिक और छात्र उसी के सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। फिर शोस्टॉपर आया और भारत की विविधता का एक उत्कृष्ट उदाहरण यानी, सांस्कृतिक नृत्य कार्यक्रम जिसमें भारत के विभिन्न राज्य के नृत्यों की प्रस्तुति शामिल थी, तमिलनाडु के भरतनाट्यम से लेकर कश्मीर के बुम्ब्रो तक, साझा सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करने और यह संदेश देने के लिए कि हमारी विभिन्न संस्कृतियाँ होने के बावजूद हमारे बीच एकता की भावना है। प्रतिभागियों में उत्साह था और उन्होंने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ प्रदर्शन का आनंद लिया।

इसके बाद, एक परिचय और अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया, जिसमें श्री के. महेश, आईएएस, विशेष निदेशक, संघ शासित प्रदेश सिविल सेवा (मुख्य अतिथि), डॉ. नीपा चौधरी, अवर सचिव ब्रांडिंग विभाग, जी- 20 सचिवालय (विशिष्ट अतिथि), प्रो. नजमा अख्तर (पद्मश्री), वाइस चांसलर, जेएमआई (पैट्रन इन चीफ) के मानद अतिथियों का पैनल शामिल था।

प्रो. डॉ. इकबाल हुसैन, डीन, फैकल्टी ऑफ लॉ, जामिया ने प्रतियोगिता के महत्व और जी20 प्रेसीडेंसी के महत्व पर प्रकाश डाला।

जामिया की वाइस चांसलर और इवेंट की संरक्षक प्रो. नजमा अख्तर प्रदर्शन और विविधता की अवधारणा के बारे में जागरूकता देखकर रोमांचित थीं। उन्हें यह देखकर भी बहुत खुशी हुई कि विधि संकाय ने 12 भाषाओं में प्रतियोगिता आयोजित करने और क्षेत्रीय भाषाओं को बढ़ावा देने की पहल की,

जो किसी भी जिम्मेदार संस्थान का प्रमुख स्तंभ है। उन्होंने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि कैसे जामिया ने न्यूनतम फीस संरचना में बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करके देश की शिक्षा प्रणाली में योगदान दिया है और अभी भी जामिया प्रगति के उसी पथ पर है। इसके अलावा, उन्होंने भारत के G20 प्रेसीडेंसी से छात्रों को G20 की बारीकियों से अवगत कराने के लिए इस कार्यक्रम के आयोजन के महत्व पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने फैकल्टी ऑफ लॉ के प्रयासों और उत्कृष्टता के मार्ग के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता की सराहना की।

मुख्य अतिथि श्री के. महेश ने अपने संबोधन में कहा कि जामिया कैंपस में आकर उन्हें बहुत खुशी हुई। उन्होंने राष्ट्र के विकास और वृद्धि में जामिया द्वारा वर्षों से निभाई गई भूमिका का उल्लेख करते हुए अपने वक्तव्य की शुरुआत की। उन्होंने 12 भाषाओं में व्याख्यान आयोजित करने के विचार की सराहना की और चकित रह गए और वह भी जी-20 की थीम पर जो देश के लिए ही नहीं बल्कि प्रत्येक नागरिक के लिए भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने बहुभाषी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के विचार की सराहना की जो भारत में पहली बार आयोजित की गई थी। उन्हें इस तरह के एक सम्मानित और प्रसिद्ध संस्थान में आमंत्रित किए जाने पर खुशी हुई।

उद्घाटन समारोह की सम्मानित अतिथि डॉ. नीपा चौधरी, जी-20 सचिवालय ब्रांडिंग विभाग की अवर सचिव, इस विचार से अचंभित थीं कि किस आधार पर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था और आयोजन के लिए पूरे जी-20 सचिवालय की ओर से जेएमआई का आभार व्यक्त किया। एक ऐसी अद्भुत प्रतियोगिता जो भारत की G-20 अध्यक्षता के महत्व के प्रसार में मदद कर रही है। उन्होंने पूरे जी-20 सचिवालय की ओर से भी शुभकामनाएं दीं क्योंकि जी-20 की पूरी टीम इस आयोजन का हिस्सा बनना चाहती थी। उन्होंने जी-20 की अध्यक्षता के सही अर्थ को समझने के महत्व पर भी प्रकाश डाला और चर्चा में कुछ बहुत महत्वपूर्ण आयाम जोड़े और इस आयोजन का हिस्सा बनने पर खुशी व्यक्त की। सह-संयोजक द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ उद्घाटन समारोह का समापन किया गया।

समापन समारोह शाम लगभग 4:30 बजे प्रतिभागियों और गणमान्य व्यक्तियों के गर्मजोशी से स्वागत के साथ शुरू हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि डॉ. संजीव चोपड़ा, सेवानिवृत्त आईएएस, पूर्व निदेशक, एलबीएसएनएए, मसूरी और प्रो. डॉ. इकबाल हुसैन, डीन, फैकल्टी ऑफ लॉ, जामिया शामिल थे।

मुख्य अतिथि ने अपने वक्तव्य में, क्षेत्रीय भाषा के महत्व और इस पूरी प्रतियोगिता की अवधारणा की सराहना का उल्लेख किया। उन्होंने इस तरह के एक अभिनव प्रतियोगिता के आयोजन के लिए विधि संकाय, जामिया को बधाई दी। उन्होंने भारत के राष्ट्रपति पद के महत्व पर भी चर्चा की और यह भी बताया कि कैसे यह प्रतियोगिता इसके साथ जुड़ी हुई है।

उन्होंने भारत की अध्यक्षता, और अंतर्राष्ट्रीय मामलों में इसकी भूमिका पर प्रकाश डालते हुए एक वक्तव्य दिया और प्रतिभागियों के साथ यूपीएससी की तैयारियों के बारे में बातचीत भी की। उन्होंने प्रतिभागियों को प्रेरित करते हुए समापन किया। इसके बाद जामिया के फैकल्टी ऑफ लॉ के डीन प्रोफेसर इकबाल हुसैन ने समापन वक्तव्य दिया।

सभी 12 भाषाओं के सभी विजेताओं और उपविजेताओं को विधि संकाय के डीन और प्रो. कहकशां वाई. दानियाल ने ट्रॉफी और योग्यता प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया। इसके अलावा, मोस्ट डायवर्स इंस्टीट्यूशन के लिए भी एक पुरस्कार था (जिसके लिए मानदंड किसी भी संस्थान से विभिन्न भाषाओं के लिए अधिकतम फाइनलिस्ट थे) जोकि विषय सलाहकार डॉ. फैजानुर रहमान द्वारा लॉ कॉलेज देहरादून

को प्रदान किया गया। कार्यक्रम का समापन संयोजक श्री सुदीप कृष्ण द्वारा धन्यवाद ज्ञापन और राष्ट्रगान के साथ हुआ।

हिंदी में- दिव्या सिंह और सैयद मोनिश जाफरी, संस्कृत में- कुमार आदर्श और केशव उपाध्याय, भोजपुरी में- अनुराग शुक्ला और रितेश तिवारी, तमिल में- सूर्य एस. और लोगेश्वरम एम., मराठी में- पृथ्वीराज प्रकाश शिंदे और मयूर देवेंद्र शिंदे, पंजाबी में- मनमोहित प्रीत कौर और खुशबू वर्मा, कश्मीरी में- सैयद सहिता नूर और साईक जान, अंग्रेजी में- अंजलि लाल जोसेफ और महीन फैसल, मलयालम में- आर्य नारायण एमके और अलकनंदा एस अनिल, उर्दू में- फैजान मुश्रीफ और मो. नासिर अनवर, गुजराती- ज़ैनब अब्बास और मोनार्क जैन और बंगाली में- रुद्रजीत एस ठाकुर और रिया डे को क्रमशः विजेता और उपविजेता घोषित किया गया।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया